# अक्टूबर

## यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की शुरुआत की

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानवमी के अवसर पर मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की शुरुआत की।
**उद्देश्य**: बालिका को सशक्त बनाना जिसके लिए जिस परिवार में बालिका जन्म लेती है उस प्रत्येक परिवार को 15 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी ।
**महत्वपूर्ण बिंदु** : इस योजना के तहत, जब एक बालिका विभिन्न उपलब्धियों को पूरा करेगी, जैसे टीकाकरण, कक्षा 1, 5 और 9 में प्रवेश, स्नातक तब राज्य सरकार चरणबद्ध तरीके से पंजीकृत लड़कियों के खाते में धनराशि हस्तांतरित करेगी ।

## यूपी का सांस्कृतिक विभाग करेगा खोन रामलीला के प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

उत्तर प्रदेश सरकार का संस्कृति विभाग थाई सरकार के सहयोग से थाइलैंड की रामलीला कला के नकाबपोश रूप में विश्व प्रसिद्ध खोन रामलीला का पहला प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है।
कलाकारों को दो देशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के भाग के रूप में थाईलैंड के विशेषज्ञों से प्रशिक्षण मिलेगा और भव्य दीपोत्सव समारोह में प्रदर्शन करेंगे।

**खोन रामलीला** : थाईलैंड की खोन रामलीला को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है और यह रामलीला के दृश्यों को दर्शाने वाला एक नकाबपोश नृत्य है। इसमें कोई संवाद नहीं होता और पृष्ठभूमि की आवाज़ें रामायण की पूरी कहानी बयान करती हैं। खोन रामलीला का प्रदर्शन अपने सुंदर पोशाक और सुनहरे मुखौटों के लिए भी प्रसिद्ध है।

## इंडिया कारपेट एक्सपो (38वां) वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया।

इंडिया कारपेट एक्सपो का आयोजन दिल्ली और वाराणसी में एक वर्ष में दो बार किया जाता है। एक्सपो (एशिया का सबसे बड़ा हस्तनिर्मित कालीन मेला) कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (CEPC) द्वारा आयोजित किया गया है। इंडिया कारपेट एक्सपो का उद्देश्य विदेशी कालीन खरीदारों के लिए भारतीय हाथ से बने कालीनों और अन्य फ्लोर कवरिंग की सांस्कृतिक विरासत और बुनाई कौशल को बढ़ावा देना है।

## केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय मिशन इन्द्रधनुष 2.0 का शुभारंभ करेगा।

यह देश भर के 271 जिलों और उत्तर प्रदेश और बिहार में स्थित 652 ब्लॉकों में बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करेगा। यह "निम्न टीकाकरण क्षेत्र" के रूप में पहचाने गए क्षेत्रों को कवर करेगा। कुल टीकाकरण कार्यक्रम 2 वर्ष तक के बच्चों और सभी गर्भवती महिलाओं के लिए समर्पित है।

# वैज्ञानिकों ने उत्तर प्रदेश में 'प्राचीन नदी' की खुदाई की

केंद्रीय जल मंत्रालय ने प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) में एक पुरानी, सूख चुकी नदी की खुदाई की है, जो गंगा और यमुना नदियों को जोड़ती है।

विषय के बारे में:
• मंत्रालय द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में वर्णित "प्राचीन निष्क्रिय नदी, लगभग 4 किमी चौड़ी, 45 किमी लंबी है और इसमें मिट्टी के नीचे दबी हुई 15- मीटर मोटी परत शामिल है।
• नई खोजी गई नदी एक निष्क्रिय पेलियोचैनल है जो प्रयागराज में वर्तमान गंगा-यमुना संगम से लगभग 26 किमी दक्षिण में दुर्गापुर गांव में यमुना नदी में मिलती है।
• इस रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि पेलियोचैनल के सबूतों ने सुझाव दिया कि पौराणिक सरस्वती नदी वास्तव में मौजूद है ।

# यूपी क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट 2017 में शीर्ष पर

हाल ही में दो साल की देरी के बाद, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट 2017 प्रकाशित किया गया था। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के अधिकांश मामलों को पति या उनके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के तहत दर्ज किया गया '

- उत्तर प्रदेश शीर्ष स्थान पर है, उसके बाद महाराष्ट्र और फिर पश्चिम बंगाल को स्थान दिया गया है ।
- एनसीआरबी ने पहली बार "गलत / फर्जी समाचार और अफवाहों" के प्रसार पर डेटा एकत्र किया। श्रेणी के तहत, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केरल से अधिकतम घटनाएं दर्ज की गईं।

# किसान पाठशाला: किसानों की आय दोगुनी करने हेतु

किसान पाठशाला को लोकप्रिय रूप से **मिलियन फार्मर्स स्कूल (MFS) कार्यक्रम कहा जाता** है जो उत्तर प्रदेश सरकार की एक योजना है।

**योजना के बारे में:**

यह किसान पाठशाला के रूप में लोकप्रिय है, यह एक विस्तारित कार्यक्रम है जिसे यूपी सरकार ने 2017 में शुरू किया था । यह कृषि ज्ञान के विभिन्न पहलुओं को एक पैकेज्ड प्रारूप में एकीकृत करता है और इसे राज्य के सभी जिलों में ग्राम-स्तरीय प्रशिक्षण के माध्यम से वितरित करता है।
एमएफएस का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि ज्ञान और तकनीक प्रदान करना है, जो बदले में कृषि उत्पादन को बढ़ा सकता है, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है और एकीकृत और विविध कृषि प्रणालियों को बढ़ावा दे सकता है।

# एसईईडी पुरस्कार 2019 (SEED Awards 2019)

हाल ही में चौदह स्टार्ट-अप को इस वर्ष के एसईईडी पुरस्कारों के लिए चुना गया है। एसईईडी निम्न कार्बन श्रेणी के तहत, उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित ऐक्य ऑर्गेनिक्स (Aikya Organics) नामक एक संगठन ने भारत से पुरस्कार जीता है।

यह पुरस्कार सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने के लिए हरित और सामाजिक उद्यमों के योगदान पर प्रकाश डालता है। प्रत्येक वर्ष, विभिन्न श्रेणियों के तहत पुरस्कार तय किए जाते हैं।

**पुरस्कार के बारे में:**

यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) द्वारा 2002 विश्व शिखर सम्मेलन में जोहान्सबर्ग में सतत विकास पर स्थापित किया गया था। यह सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था पर कार्रवाई के लिए एक वैश्विक साझेदारी है।

## वार्षिक गंगा नदी डॉल्फिन की जनगणना शुरू हुई

बिजनौर में हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य और नारायण रामसर साइट के बीच ऊपरी गंगा की लगभग 250 किलोमीटर लंबी नदी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश वन विभाग के सहयोग से वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर-इंडिया द्वारा की गई वार्षिक गंगा नदी डॉल्फिन जनगणना बिजनौर में शुरू हुई।

पिछले वर्षों के विपरीत, जब प्रत्यक्ष मतगणना पद्धति का उपयोग किया गया था, तो इस वर्ष अग्रानुक्रम नाव सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया जा रहा है।

**गंगा नदी डॉल्फिन के बारे में:**

गंगा नदी डॉल्फ़िन (प्लैटनिस्टा गैंगेटिका) जिसे वे ध्वनि के कारण 'ससु' भी कहते हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) स्थिति: लुप्तप्राय

## मथुरा में भारत का पहला प्लास्टिक से डीजल रूपांतरण संयंत्र 11 अक्टूबर से शुरू होगा

पीएम नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के सपने को पूरा करने के उद्देश्य से, अक्टूबर 2019 में उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में प्लास्टिक कचरे से डीजल का उत्पादन करने के लिए भारत के एक संयंत्र को मथुरा के सांसद (संसद सदस्य) हेमा मालिनी ने लॉन्च किया है।

**विषय के बारे में:**

सार्वजनिक-निजी भागीदारी (P-P-P-) मॉडल पर निर्मित मथुरा नगर निगम (MMC) में पूर्ण पैमाने पर काम करने वाला संयंत्र है । इस संयंत्र की खासियत यह होगी कि हर रोज 6 टन प्लास्टिक का इस्तेमाल डीजल बनाने में किया जाएगा।

## अयोध्या में राम की पैड़ी पर दिवाली की पूर्व संध्या पर 4 लाख से अधिक दीपों की रोशनी, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान

अयोध्या में दीवाली की पूर्व संध्या पर सरयू नदी तट पर रिकॉर्ड छह लाख मिट्टी के दीपों ने रोशनी फैलाई, जिससे यह एक इतिहास बन गया। नदी तट पर प्रज्जवलित मिट्टी के दीयों की इस वर्ष की गिनती पिछले साल जलाई गई 'दीया' की तीन लाख से अधिक की संख्या को पार कर गई।

## लखनऊ में पहला राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान लेखक सम्मेलन शुरू

पहला राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान लेखक सम्मेलन आज उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य विज्ञान लेखन में हिंदी और अन्य वर्नाक्युलर भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा देना है। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन राज्य विधानसभा के स्पीकर हृदय नारायण दीक्षित ने किया।